16. चित्र वर्णन

चित्र देखकर यह बताना कि उसमें क्या-क्या हो रहा है, चित्र वर्णन कहलाता है। यह बहुत सरल विधा है जिसे बच्चे बड़ी रोचकता से लिखते हैं। चित्र वर्णन से बच्चों की अवलोकन क्षमता विकसित होती है।

- शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ पर दिए चित्र को दिखाकर बच्चों से उसके बारे में बातचीत करें।
- पूछें, इस चित्र में क्या-क्या हो रहा है। बच्चों के बताने के उपरांत पृष्ठ पर दिया चित्र वर्णन पढ़वाएँ।
- चित्र-वर्णन का थोड़ा-थोड़ा अंश सभी बच्चों से पढ़ने को कहें। बच्चों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अभ्यास के लिए दिए दृश्यों या चित्रों को दिखाकर बच्चों से जानें, वह चित्र कहाँ का दृश्य है तथा चित्र में कौन-क्या कर रहा है।
- प्रत्येक बच्चे को बोलने का यथोचित अवसर तथा समय दें।
- बच्चों द्वारा बोले गए वर्णन को आठ-दस वाक्यों में लिखने को कहें।
- पाठ की रोचकता बनाए रखने के लिए बच्चों से बीच-बीच में बात करते रहें, जैसे– जब वे पिकनिक पर जाते हैं या किसी मॉल में तो वहाँ क्या-क्या करते या होते देखते हैं।
- सुनिश्चित करें कि बच्चे चित्र वर्णन करना सीख गए हैं।
- पाठ का अभ्यास करने में बच्चों की यथासंभव मदद करें।